वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 236 मंगलवार 23 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अरावली को बचाने के लिए सड़क पर उतरे समर्थक

उदयपुर में पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी, कई लोग हिरासत में

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लेने की मांग

जयपुर. कासं

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर प्रदेशभर में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। अरावली बचाओ अभियान के तहत उदयपुर, जोधपुर, सीकर सहित कई जिलों में सोमवार को लोगों ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उदयपुर में कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हो गई। उदयपुर में आज कांग्रेस, करनी सेना कार्यकर्ता सहित कई संगठनों के लोग कलक्ट्रेट पर अरावली बचाने के लिए एकजुट हुए। तभी कांग्रेस जिला अध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़ की पुलिस कर्मियों से बहस हो गई।जिस पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। यहां पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लिया जाए। वरना उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। लोगों का कहना है कि अरावली को केवल ऊंचाई के आधार पर परिभाषित करना वैज्ञानिक और पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं। यह भी कहा कि यदि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को संरक्षित नहीं किया गया तो उससे सटी ऊंची पहाड़ियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है, जिससे पूरी पर्वतमाला के क्षरण की स्थिति बन सकती है।

अरावली को खोदकर खुद का घर भरना चाहते हैं : डोटासरा

अजमेर में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने कहा कि अरावली हमारी सब कुछ है और इसे खोदकर खुद के घर भरना चाहते हैं। राजस्थान के लोगों की जीवन रेखा है और उस पर हथौड़ा चलाने का प्रयास किया है। तानाशाह सरकार है। अवैध खनन माफिया के दबाव में सुप्रीम कोर्ट में अरावली के खिलाफ पैरवी की। इसका बड़े पैमाने पर विरोध करेंगे।

कुछ लोग अरावली को लेकर गुमराह कर रहे हैं : सुरेश रावत

जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा- अरावली को लेकर कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से गुमराह कर रहे हैं। हाल ही केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने विश्वास दिया है कि हमारी अरावली पहले से ज्यादा सुरक्षित होगी। हमारी जिम्मेदारी है कि उसे हर हाल में संरक्षित करें। हमारी सरकार इसमें कोई भी समझौता नहीं करेगी। लाखों की संख्या में भी सरकार की ओर से पौधे लगाए गए हैं।

अरावली को बचाने के लिए एकजुट हुए सभी

20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृति को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इस मानक से अरावली की 90% से ज्यादा पहाड़ियां संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगी। इस फैसले के बाद अरावली को बचाने की आवाजें तेज हो गई। सीकर में पर्यावरण प्रेमी पवन ढाका ने कहा कि इंसान को निकालकर उसके घर को तोड़ दिया जाए, तो वह कहां पर जाएगा। इंसान तो फिर भी कोई झोपड़ी बना लेगा, लेकिन यह जीव-जंतु क्या करेंगे।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अरावली पर्वतमाला के निरंतर क्षरण और इसकी परिभाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित विवाद पर ठोस और दीर्घकालिक निर्णय की मांग करते हुए सामाजिक संगठन नेशन फर्स्ट ने राष्ट्रपति, प्रधान न्यायाधीश, प्रधानमंत्री, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजा है। सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन उस व्याख्या पर चिंता जताई है, जिसमें 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को ही अरावली मानने का दृष्टिकोण सामने आया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा-अरावली मामले में इनके डेथ वारंट पर साइन हैं, पूरी बीजेपी को भुगतना पड़ेगा। माना कि राजस्थान की जनता भोली है, चुनाव जिता सकती है, लेकिन इतनी ताकतवर भी है कि अरावली को बचा सकती है। जूली ने कहा-मंत्री के मन का तभी पता चल गया था जब सरिस्का में किसानों की जमीन को सीटीएच में शामिल कर लिया और खान वाली भूमि को सीटीएच से बाहर कर दिया था। इतना तो हमने नहीं सोचा था कि पूरे राजस्थान की अरावली माता को बेच देंगे।

जेएसजी प्लेटिनम की प्रेरणा यात्रा 2.0 एवं वार्षिक कैलेण्डर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रुप द्वारा प्रेरणा यात्रा 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार, 21 दिसंबर को उदयपुर से केसरिया जी तीर्थ तक भव्य कार रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 31 कारों का काफिला दोपहर 1:15 बजे उदयपुर से केसरिया जी तीर्थ के लिए रवाना हुआ। कार रैली को मेवाड़ रीजन चेयरमैन अरुण मांडोत, चेयरमैन इलेक्ट पारस ढेलावत, जोन कोऑर्डिनेटर सुनील गांग एवं पीआरओ ग्रीटिंग्स शुभम गांधी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ग्रुप अध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि केसरिया जी तीर्थ पहुंचने पर सभी सदस्यों ने सर्वप्रथम गुरुकुल मंदिर के दर्शन किए। तत्पश्चात गाजे-बाजे एवं नृत्य के साथ पूजन सामग्री लेकर गुरुकुल मंदिर से केसरिया जी मुख्य मंदिर तक भव्य यात्रा निकाली गई। मुख्य मंदिर से देवस्थान विभाग के बैंड के साथ पालकी यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए पगल्याजी स्थित आमखास पहुंची, जहां पूजा एवं अभिषेक संपन्न हुआ। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक आरती का लाभ लिया एवं प्रभावना का वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक तनुजय किकावत एवं सुमित खाब्या ने बताया कि इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम के वार्षिक कैलेंडर 2026 का प्रथम कैलेंडर भगवान ऋषभदेव जी को अर्पण कर मंदिर प्रांगण में विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम में 115 सदस्य एवं बच्चों की उपस्थिति रही। ग्रुप सचिव लोकेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, अध्यक्ष पंकज जैन, इलेक्ट प्रेसिडेंट तनुजय किकावत, उपाध्यक्ष सुमित खाब्या, सहसचिव राहुल जैन, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र जैन, पीआरओ एडमिन गीतेश जैन, पीआरओ ग्रीटिंग्स पंकज सुराणा, निवर्तमान अध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व अध्यक्ष प्रीतेश जैन, आशीष रत्नावत, कार्यकारिणी सदस्य सहित ग्रुप सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप सदस्यों ने केसरिया जी मुख्य मंदिर, कांच का मंदिर, गुरुकुल मंदिर एवं गज मंदिर के दर्शन का लाभ लिया। कार्यक्रम के समापन पर किकाभाई धर्मशाला में भोजन प्रसादी के पश्चात सभी आगंतुक सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार ग्रुप सचिव लोकेश जैन द्वारा व्यक्त किया गया।

गीता ज्ञान शिविर में समाजसेवा और संस्कारों का संगम

सेवा, संवेदना और पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक नवीन कुमार भंडारी रहे विशेष रूप से उपस्थित, राजयोग और गीता ज्ञान से तनावमुक्त जीवन का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। ब्रह्माकुमारीज जयपुर सबजोन के अंतर्गत आयोजित त्रिदिवसीय गीता ज्ञान शिविर के उद्घाटन सत्र में समाजसेवी एवं गौ-सेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व नवीन कुमार भंडारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। गीता जीवन जीने की व्यवहारिक कला है। नवीन कुमार भंडारी अपने संबोधन में नवीन कुमार भंडारी ने कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली व्यवहारिक जीवन-पद्धति है। आज के तनावपूर्ण समय में राजयोग और गीता ज्ञान मानव को आत्मिक शांति, सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा समाज में मानसिक, आध्यात्मिक एवं नैतिक जागरण हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

राजयोग से आत्मा की परमात्मा से पहचान-राजयोगिनी बीके वीणा दीदी

मुख्य वक्ता राजयोगिनी बीके वीणा दीदी ने गीता के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजयोग के माध्यम से आत्मा परमात्मा से जुड़कर अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानती है। उन्होंने कहा कि यह शिविर आत्म-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान नवीन कुमार भंडारी ने जयपुर सबजोन प्रभारी राजयोगिनी सुषमा दीदी एवं मुख्य वक्ता राजयोगिनी बीके वीणा दीदी से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गीता ज्ञान और राजयोग को जीवन में अपनाने का संकल्प व्यक्त किया। तीन दिवसीय गीता ज्ञान शिविर में राजयोग ध्यान, आत्मिक सशक्तिकरण, सकारात्मक जीवन-शैली एवं गीता के व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से चर्चा की गई । बड़ी संख्या में साधक, श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का समापन शांति संदेश एवं श्रेष्ठ जीवन मूल्यों को अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा बापू नगर में निःशुल्क मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव सेवा एवं स्वस्थ समाज निर्माण की भावना को साकार करते हुए महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर द्वारा दिनांक 20 दिसंबर 2025 को सत्संग भवन, बापू नगर, जयपुर में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि संस्था निरंतर मानव सेवा के कार्यों में संलग्न है और इसी उद्देश्य से यह शिविर उक्त दिवस को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक सत्संग भवन बापू नगर में आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर, आनंद आई हॉस्पिटल एवं क्लोव डेंटल हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। सचिव धनु कुमार जैन एवं सहसचिव सुनील बज ने

जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई, फुल बॉडी चेक-अप, नेत्र परीक्षण एवं दंत परीक्षण जैसी सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं। साथ ही हड्डी रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, नेत्र रोग एवं दंत रोग विशेषज्ञों द्वारा रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। उपाध्यक्ष सुरेश चंद जैन बांदीकुई एवं कोषाध्यक्ष वीर कुमार जैन ने बताया कि शिविर के माध्यम से लगभग 240 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया, जिससे आयोजन की सार्थकता सिद्ध होती है। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल की जोन चेयरमैन श्रीमती सारिका अग्रवाल तथा ग्रेटर के निवर्तमान अध्यक्ष जे. के. जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ी। शिविर संयोजक डॉ. नीरज जैन ने बताया कि कार्यक्रम में समाज श्रेष्ठी श्री ज्ञानचंद झांझरी, शाबाश इंडिया के संपादक श्री राकेश गोदिका, डीजेएसजी सम्यक के अध्यक्ष डॉ. श्री इन्द्र कुमार जैन, सचिव श्री नवल जैन, दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री श्री महावीर बाकलीवाल, कैम्प के विशेष सहयोगी विनय कुमार छाबड़ा, सुरेन्द्र कुमार मोदी , सुधीर जी कक्कड़, सुरीला सेठी, राजकुमारी अजमेरा, सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की ओजस्वी उपस्थिति रही।

आर्यिका 105 श्रुतमती माताजी एवं आर्यिका 105 सुबोधमति माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में प्रथम बार वाणी सिद्ध मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी महाराज का महामस्तकाभिषेक हर्षोल्लासपूर्वक होगा

फागी. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली चकवाड़ा में आर्यिका 105 श्रुतमती माताजी एवं आर्यिका 105 सुबोधमति माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में वाणी सिद्ध मुनि 108 श्री गुणसागर जी महाराज का 15वां समाधि दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के आजीवन सदस्य राजाबाबू गोधा ने बताया कि इस अवसर पर आर्यिका संघ के पावन सान्निध्य में, सकल दिगम्बर जैन समाज के सहयोग से, प्रथम बार वाणी सिद्ध मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी मुनिराज की प्रतिमा का विभिन्न मंत्रोच्चारणों के साथ महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। क्षेत्र के मुख्य संयोजक अशोक जैन (अनोपड़ा), अध्यक्ष विमल बड़जात्या तथा महामंत्री जयकुमार गंगवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत 24 दिसंबर 2025 को प्रातः 7:15 बजे नित्य अभिषेक, पंचामृत अभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिनाथ

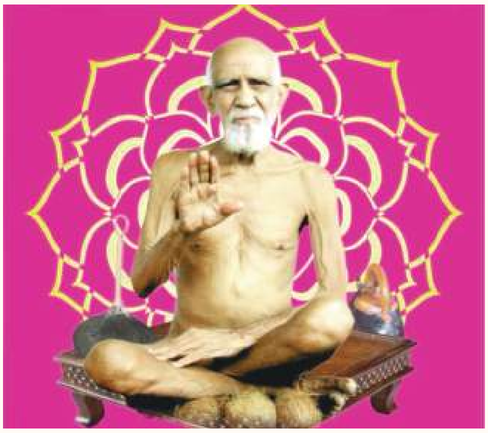

विधान मंडल का आयोजन होगा। दोपहर 1:15 बजे पंडाल में ध्वजारोहण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, आचार्य भगवंतों का अर्घावतरण, स्वागत भाषण तथा क्षेत्र की बहुआयामी योजनाओं पर उद्बोधन होगा। इसके पश्चात परम पूज्य गुरुदेव गुणसागर जी मुनिराज का अष्ट द्रव्यों से सामूहिक पूजन, विनयांजलि, पाद-प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट की जाएगी। आर्यिका श्री के प्रवचन उपरांत दोपहर 3:30 बजे गुणसागर जी मुनिराज की प्रतिमा का प्रथम बार महामस्तकाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक संपन्न होगा। सायंकाल 4:30 बजे वात्सल्य भोज का आयोजन रखा गया है। क्षेत्र के वरिष्ठ संरक्षक नरेंद्र गंगवाल (चकवाड़ा) ने बताया कि सकल जैन समाज से अपील की गई है कि वे परिवार, मित्रों एवं समुदाय के साथ पधारकर इस पावन अवसर पर धर्मलाभ प्राप्त करें तथा गुरुदेव के प्रति अपनी विनयांजलि अर्पित कर आर्यिका माताजी का मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त करें। कार्यक्रम में क्षेत्र की कार्यकारिणी ने सभी से अनुरोध किया है कि वे आवास एवं वात्सल्य भोज का आतिथ्य स्वीकार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं और हमारा उत्साहवर्धन करें।

डिस्ट्रिक्ट 3056 बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट के पोस्टर का जयपुर में भव्य विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के तत्वावधान में एवं रोटरी क्लब जयपुर नार्थ द्वारा आयोजित होने वाले डिस्ट्रिक्ट 3056 बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट (9, 10 एवं 11 जनवरी 2026) के आधिकारिक पोस्टर का भव्य विमोचन होटल बेला कासा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह पोस्टर रोटरी क्लब जयपुर नार्थ के अध्यक्ष अनिल जैन एवं उनकी कार्यकारिणी टीम द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के फाउंडर प्रेसिडेंट सुधीर जैन के करकमलों द्वारा भी पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब जयपुर नार्थ के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं रोटरी क्लब के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। साथ ही, इस डिस्ट्रिक्ट स्तरीय बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट को सहयोग प्रदान करने वाले सभी स्पॉन्सर्स का माला पहनाकर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया, जिससे समारोह और भी गरिमामय बन गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल जैन ने कहा कि यह डिस्ट्रिक्ट 3056 बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि रोटरी की एकता, टीमवर्क, अनुशासन और सौहार्द की भावना को सशक्त करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट में विभिन्न रोटरी क्लबों की टीमें भाग लेंगी तथा इसका आयोजन इंफिनिटी क्लब, मानसरोवर एक्सटेंशन, जयपुर में किया जाएगा। पोस्टर विमोचन समारोह ने आगामी टूर्नामेंट को लेकर रोटरी सदस्यों एवं खेल प्रेमियों में उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मक माहौल का संचार किया, जिससे यह आयोजन एक भव्य एवं यादगार खेल महोत्सव बनने की दिशा में अग्रसर दिखाई दिया।

डॉ. सोनल कुमार को जैनागम एवं प्राकृत साहित्य में स्वर्ण पदक

उदयपुर (राजस्थान)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दिनांक 21 दिसंबर 2025 को जैन दर्शन एवं प्राकृत साहित्य विषय में एम.ए. परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के संयुक्त मंत्री एवं युवा मनीषी डॉ. सोनल कुमार जैन को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से 202 महाविद्यालय संबद्ध हैं। इस दीक्षांत समारोह में कुल 254 शोधोपाधियां तथा 109 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े (राज्यपाल, राजस्थान), प्रेमचंद बैरवा (उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार), मंजू बाघमार (राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार) सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वर्ण पदक का वितरण इन्हीं विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। दीक्षांत समारोह का मुख्य दीक्षांत भाषण गुलाब चंद कटारिया (राज्यपाल, पंजाब एवं प्रशासक, केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़) द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. सोनल कुमार जैन की इस उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि पर अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद सहित देशभर के अनेक विद्वतजनों, शिक्षाविदों एवं समाजजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। – डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर

सेहत

पांच मिनट के योग से दूर करें टेंशन

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव (टेंशन) लगभग हर व्यक्ति की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। काम का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां, डिजिटल स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग और अनियमित दिनचर्या ये सभी कारण मानसिक थकान और तनाव को बढ़ाते हैं। लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव न केवल मन को अशांत करता है, बल्कि शरीर पर भी गहरा असर डालता है। इससे नींद की कमी, सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में योग एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी उपाय है, जिसे अपनाकर रोज सिर्फ पांच मिनट में भी तनाव से राहत पाई जा सकती है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन और शरीर के बीच संतुलन स्थापित करने की एक प्राचीन विद्या है। कुछ विशेष आसन ऐसे हैं, जिन्हें नियमित रूप से करने से मानसिक शांति मिलती है, तनाव कम होता है और शरीर-मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। आइए जानें ऐसे ही कुछ आसान योगासन, जो रोजमर्रा की टेंशन को दूर करने में सहायक हैं। **बालासन (चाइल्ड पोज):** बालासन को चाइल्ड पोज भी कहा जाता है। यह आसन बच्चों की सहज और शांत मुद्रा जैसा होता है। इसे करने से दिमाग को गहरा आराम मिलता है और तनाव व चिंता में कमी आती है। यह आसन तंत्रिका तंत्र को शांत करता है और लसीका प्रणाली को सक्रिय करता है, जिससे शरीर में जमा विषैले तत्व बाहर निकलने में मदद मिलती है। काम के लंबे समय बाद या मानसिक थकान होने पर कुछ मिनट बालासन में बैठना बेहद लाभकारी होता है। **शवासन:** शवासन को योग का सबसे सरल लेकिन सबसे प्रभावशाली आसन माना जाता है। इस आसन में शरीर पूरी तरह विश्राम की अवस्था में होता है। शवासन के दौरान सांस लेने की गति धीमी और गहरी हो जाती है, जिससे रक्तचाप नियंत्रित रहता है और हृदय व तंत्रिका तंत्र को आराम मिलता है। नियमित रूप से शवासन करने से अनिद्रा, मानसिक बेचैनी और तनाव में उल्लेखनीय कमी देखी जाती है। **सेतुबन्ध सर्वांगासन (ब्रिज पोज):** इस आसन में पीठ, गर्दन और पैरों को हल्का स्ट्रेच मिलता है। सेतुबन्ध सर्वांगासन तनाव और थकान को कम करने में सहायक है।

संपादकीय

संरक्षण और विकास के बीच संतुलन की तलाश

अरावली पर्वत शृंखला भारत की सबसे प्राचीन भू-आकृतियों में से एक है, जिसकी आयु लगभग दो अरब वर्ष मानी जाती है। गुजरात से दिल्ली तक फैली करीब 692 किलोमीटर लंबी यह शृंखला राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के लिए जीवनरेखा के समान है। अरावली न केवल थार मरुस्थल के पूर्व की ओर बढ़ते विस्तार को रोकती है, बल्कि भूजल रिचार्ज, जैव विविधता संरक्षण और उत्तर भारत के जलवायु संतुलन में भी अहम भूमिका निभाती है। चंबल, साबरमती और लूनी जैसी नदियों का उद्गम और पोषण इसी पर्वतमाला से जुड़ा है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण व धूल भरी आंधियों से सुरक्षा देने में भी अरावली की भूमिका निर्णायक है। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में अवैध और अत्यधिक खनन ने इस प्राचीन धरोहर को गहरी चोट पहुंचाई है। पहाड़ियों का कटाव, वन आवरण का क्षरण और जलस्तर में गिरावट मरुस्थलीकरण के खतरे को बढ़ा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट का एक अहम फैसला सामने आया, जिसने अरावली विवाद को नए सिरे से राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। कोर्ट द्वारा गठित समिति की सिफारिश पर अरावली पहाड़ियों की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई। इसके अनुसार, स्थानीय आधार से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृति को अरावली हिल और 500 मीटर के दायरे में दो या अधिक ऐसी पहाड़ियों को अरावली रेंज माना जाएगा। इससे पहले विभिन्न राज्यों में अलग-अलग मानदंड लागू थे, जिससे नियामक अस्पष्टता और अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा था। कोर्ट ने नए खनन पट्टों पर रोक लगाते हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस फैसले पर दो विपरीत दृष्टिकोण उभरे हैं। पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों का आरोप है कि यह निर्णय अरावली के संरक्षण को कमजोर करता है। वन सर्वेक्षण ऑफ इंडिया के आकलन का हवाला देते हुए कहा जा रहा है कि केवल 8.7 प्रतिशत पहाड़ियां ही 100 मीटर से अधिक ऊंची हैं, जबकि शेष बड़ा हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकता है। इससे छोटी पहाड़ियां, घाटियां और वन्यजीव गलियारे खनन के लिए खुलने का खतरा है। राजस्थान में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे उत्तर भारत की पारिस्थितिकी के लिए गंभीर खतरा बताया है। सेव अरावली अभियान सोशल मीडिया पर व्यापक समर्थन पा रहा है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का कहना है कि यह फैसला संरक्षण की दिशा में व्यावहारिक कदम है। सरकार के अनुसार, कुल 1.47 लाख वर्ग किलोमीटर अरावली क्षेत्र में से 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित रहेगा और खनन केवल 0.19 प्रतिशत क्षेत्र में, वह भी सख्त शर्तों के तहत संभव होगा। जून 2025 में शुरू हुई अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के माध्यम से 5 किलोमीटर के बफर जोन में हरित आवरण बढ़ाया जा रहा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

रिश्तों की मृत्यु कहीं आदमी की मृत्यु तो नहीं!

डॉ. योगेन्द्र

जापान में एक कंपनी है फैमिली रोमांस। यह कंपनी लोगों को किराये पर पिता, पति, पत्नी, दोस्त और यहां तक कि रिश्तेदार भी उपलब्ध कराती है। जापान में ऐसी कई पेशेवर एजेंसियां हैं, जो रिश्तों को सेवा के रूप में बेच रही हैं और अच्छा-खासा मुनाफा कमा रही हैं। यह तथ्य अपने आप में चिंताजनक है कि जिस समाज को तकनीकी और आर्थिक रूप से अत्यंत विकसित माना जाता है, वहां रिश्तों की इतनी कमी महसूस की जा रही है कि उन्हें बाजार से खरीदा जा रहा है। दूसरी ओर, स्विट्जरलैंड को दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में गिना जाता है। वहां भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन-सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद आत्महत्याओं की दर चिंता का विषय बनी हुई है। इसके उलट भारत जैसे देश में, जहां आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और संसाधनों की कमी है, किसान और युवा आर्थिक तंगी से टूटकर आत्महत्या कर रहे हैं। सवाल उठता है आखिर यह कैसी दुनिया है, जहां आदमी हर जगह बेचैन है? अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अशांति का मूल कारण आर्थिक असंतुलन है। निस्संदेह, आर्थिक असमानता देश के भीतर भी है और देशों के बीच भी। यह असंतुलन कई बार कूटनीति, छल-छद्म और स्वार्थपूर्ण नीतियों से और गहरा हो जाता है। लेकिन क्या केवल आर्थिक संतुलन स्थापित हो जाने से मन की अशांति समाप्त हो जाएगी? यदि ऐसा होता, तो स्विट्जरलैंड जैसे देश में लोग आत्महत्या क्यों करते? और जापान में रिश्तों की नई तलाश क्यों उभरती? यह सही है कि आर्थिक तंगी अनेक समस्याओं को जन्म देती है, परंतु यह भी उतना ही सच है कि संपन्नता आने के बाद भी आदमी संतुष्ट नहीं हो पाता। आखिर वह क्या ढूंढ रहा है? भारत में बड़े उद्योगपतियों और आर्थिक विकास की खूब चर्चा होती है। नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में कुछ वर्गों की संपन्नता तेजी से बढ़ी है। पर क्या इस संपन्नता के साथ मानसिक शांति भी आई है? क्या धन के अंबार लगाने वाला व्यक्ति चैन की नींद सो पाता है? सच तो यह है कि ऐसा आदमी भीतर से बेहद गरीब दिखाई देता है। इतिहास गवाह है कि संपत्ति और सत्ता का अंत शून्य में ही होता है। सिकंदर विश्व विजय का स्वप्न लेकर मरा और अंतिम समय में उसने यह समझ लिया कि वह दुनिया से कुछ भी साथ नहीं ले जा रहा। इसलिए उसने अपने हाथ कफन से बाहर रखने की इच्छा जताई, ताकि लोग जान सकें कि खाली हाथ ही जाना है। आदमी दुनिया से झूठ बोल सकता है, लेकिन खुद से झूठ नहीं बोल सकता। वह जानता है कि वह क्या कर रहा है। क्या सत्ता में बैठे लोग नरेंद्र मोदी और अमित शाह यह नहीं जानते कि उनके फैसलों का समाज पर क्या असर पड़ रहा है? गलती स्वीकार करना साहस मांगता है। महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा में अपनी भूलों को खुले मन से स्वीकार किया, यही उनका नैतिक बड़प्पन था। आलोचक चाहे वीर सावरकर के हों या कार्ल मार्क्स और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारधाराओं से जुड़े हों, गांधी को इतिहास से मिटाया नहीं जा सकता। मूल प्रश्न यह है कि जहां अकूत संपत्ति है, वहां भी आदमी परेशान है और जहां विकास अधूरा है, वहां भी। तो फिर हम कैसा विकास चाहते हैं? शायद शरीर की जरूरतें आर्थिक हैं और मन की जरूरतें मानसिक। आज जो विकास मॉडल अपनाया जा रहा है, उसमें रिश्तों पर सीधा आक्रमण है चाहे विकसित देश हों या विकासशील। रिश्ते टूट रहे हैं, संवेदनाएं सूख रही हैं। हमें ऐसा विकास चाहिए, जिसमें रिश्ते जीवंत रहें, संवाद बना रहे और मनुष्य अकेला न पड़े।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा श्री वर्धमान स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा 64 ऋद्धि-सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपकों के माध्यम से श्री वर्धमान स्तोत्र पाठ का आयोजन श्री दिगम्बर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर में किया गया। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन राजेन्द्र कुमार एवं सुनीता कासलीवाल के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर उन्हें साफा, दुपट्टा एवं माला पहनाकर गिफ्ट के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील कुमार बज, अतुल बिलाला, राजेश बड़जात्या, नीरज जैन, पदमचंद भोंसा, राकेश-समता गोदिका, डॉ. इंद्र कुमार जैन, निर्मल कासलीवाल सहित अन्य ग्रुपों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ी। कार्यक्रम का संचालन सुरेश जैन (बांदीकुई), अजीत जैन एवं कैलाश सेठी द्वारा किया गया। श्री वर्धमान स्तोत्र पाठ का वाचन पूरणमल अनोपड़ा, श्रीमती शशी सेन जैन एवं चन्द्रकांता छाबड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती कनक देवी, प्रेमलता सेठी, कौशल्या जैन, साधना जैन एवं सोनल जैन द्वारा भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने सराहा। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मोहनलाल गंगवालः अध्यक्ष

सिवाना सेवा समिति अहमदाबाद का स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रान्त के गढ़सिवाना नगर के जैन समाज के प्रवासी बंधुओं के संगठन सिवाना सेवा समिति अहमदाबाद का वार्षिक स्नेहमिलन रविवार (दि. 21.12.25) को महावीर जैन आराधना केन्द्र, कोबा तीर्थ, गांधीनगर में आयोजित हुआ, जिसमें प्रवासियों ने उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। समिति के उपाध्यक्ष मुकेश आर. कंकुचौपड़ा ने बताया कि सर्वप्रथम भगवान महावीर स्वामी के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के विशेष अतिथि राजन सुश्रा (आईपीएस, डीआईजीपी–गुजरात पुलिस), हमीरसिंह भायल (विधायक, सिवाना विधानसभा), बाबूलाल तातेड़ (कोषाध्यक्ष, चम्पावाड़ी सिवाना), हर्षल बागरेचा (Founder & CEO, Elsner Technology Pvt. Ltd.), स्नेहमिलन लाभार्थी महेन्द्र चंपालालजी छाजेड़, समिति अध्यक्ष दिलीप बागरेचा, निवर्तमान अध्यक्ष अमित बालड़, सचिव कीर्ति बागरेचा एवं स्नेहमिलन संयोजक मनीष मेहता ने दीप प्रज्वलन कर मंचासीन हुए। संगीतकार झरना वोरा ने नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष दिलीप बागरेचा ने स्वागत संबोधन में सभी आगंतुकों का अभिनंदन करते हुए संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात अतिथिगणों एवं स्नेहमिलन के लाभार्थी श्रीमती रीटादेवीझमहेन्द्र कुमार चंपालालजी छाजेड़ परिवार का बहुमान किया गया। उल्लेखनीय है कि लाभार्थी महेन्द्र कुमार छाजेड़ गत 15 वर्षों से श्री वासुपूज्य स्वामी जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट मंडल, उम्मेदपुरा के महामंत्री, श्री चम्पावाड़ी ट्रस्ट गढ़ सिवाना के ट्रस्टी, अखिल भारतीय छाजेड़ परिवार-बिरामी, जोधपुर ट्रस्ट के सहमंत्री तथा जहाज मंदिर, मांडवला के ट्रस्टी हैं। वर्तमान में वे भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रवासी प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वहीं रीटादेवी छाजेड़ ने मातृभूमि सिवाना में भाजपा से जैन समाज की प्रथम महिला प्रधान एवं उपप्रधान के रूप में सेवाएं प्रदान की हैं। कार्यक्रम के दौरान विशेष अतिथि राजन सुश्रा ने अभिभावकों को बच्चों के साथ समय बिताने के लिए प्रेरित किया तथा जैन समाज के विकास कार्यों में सहयोग की सराहना की। विधायक हमीरसिंह भायल ने राजस्थान एवं सिवाना के विकास कार्यों की जानकारी साझा करते हुए पचपदरा रिफाइनरी के संदर्भ में भी विवरण दिया। बाबूलाल तातेड़ ने शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में समाज की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। हर्षल बागरेचा ने नवीन तकनीकों के उपयोग से रचनात्मक कार्य करने तथा समय के अनुरूप जीवनशैली में परिवर्तन का सुझाव दिया। लाभार्थी महेन्द्र छाजेड़ ने समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सिवाना को रेलवे लाइन से जोड़ने का आग्रह विधायक महोदय से किया। निवर्तमान अध्यक्ष अमित बालड़ ने संस्था की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डाला। पूर्व अध्यक्ष दिनेश श्रीश्रीमाल ने आगामी क्रिकेट टूर्नामेंट की योजना की जानकारी साझा कर युवाओं को प्रोत्साहित किया। स्नेहमिलन संयोजक मनीष मेहता ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी सदस्यों तथा सह-संयोजक कमलेश बागरेचा एवं विमल बागरेचा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सुसंयोजित एवं प्रभावशाली मंच संचालन मुकेश आर. चौपड़ा, निखिल कानूंगा एवं वीणा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अंत में सचिव कीर्ति बागरेचा ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अखिल दिगम्बर जैन गोलापूर्व महासमिति (रजि.) राजस्थान

निर्विरोध नव-निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल दिगम्बर जैन गोलापूर्व महासमिति राजस्थान (रजिस्टर्ड) की निर्विरोध नव-निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह दिनांक 21 दिसंबर 2025 को श्री पार्श्वनाथ भवन, जयपुर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शपथग्रहण कार्यक्रम डॉ. शीतलचन्द जैन (प्राचार्य) द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ।

मंच पर सभाध्यक्ष डॉ. शीतलचन्द जैन, पूर्व अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार जैन, चुनाव अधिकारी डॉ. विमल कुमार जैन, चुनाव पर्यवेक्षक दिनेश जैन, उपाध्यक्ष कैलाशचन्द्र मलैया, अध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार जैन, महामंत्री राजेश कुमार जैन तथा पूर्व कोषाध्यक्ष रमेश कुमार जैन विराजमान रहे। मंचासीन अतिथियों का स्वागत अनुराग जैन (विद्याधरनगर), शीलचन्द जैन (विराटनगर), रमेश कुमार (विराटनगर), पीयूष जैन शास्त्री, संजय शास्त्री (बड़ा मलहरा), रमेशचन्द जैन (जोबनेर), ज्ञानचन्द जैन, हेमकुमार जैन, दीपक जैन फणीन्द्र (एडवोकेट), प्रभात जैन (मुरलीपुरा), कुलेश जैन, हरीश जैन, कोमलचंद जैन, पवन जैन (बड़ा मलहरा), मंगेश जैन, महेश जैन, दीपक जैन (मैनवार), अचिंत जैन, भागचन्द जैन (अमरमऊ) सहित अन्य गणमान्यजनों द्वारा किया गया। इसके पश्चात महिला सदस्यों द्वारा भावमंगल गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्रीमती वर्षा जैन, प्रज्ञा जैन, सरोज जैन, पूनम जैन, मोनिका जैन, कल्पना जैन (जोबनेर) एवं दिशी जैन शामिल रहीं। महासमिति का परिचय उपाध्यक्ष कैलाशचन्द्र मलैया ने प्रस्तुत किया, जिसमें महासमिति के उद्देश्यों एवं अब तक की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इसके उपरांत चुनाव अधिकारी प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमल कुमार जैन ने निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए निर्विरोध निर्वाचित नवीन कार्यकारिणी की विधिवत घोषणा की, जिसे उपस्थितजनों ने करतल ध्वनि से अनुमोदित किया। निर्वाचित कार्यकारिणी इस प्रकार रही अध्यक्षः डॉ. अरविन्द कुमार जैन (पूर्व प्रधानाचार्य) उपाध्यक्षः हेमन्त जैन (पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक), कैलाशचन्द्र मलैया (पूर्व प्रधानाचार्य) महामंत्रीः राजेश जैन मंत्रीः पं. रमेश जैन (जोबनेर) कोषाध्यक्षः अनिल कुमार जैन सदस्यः डॉ. भागचन्द जैन, प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री, मनीष जैन (प्रधानाचार्य), धीरेश जैन (टैक्स काउंसलर एवं समाजसेवी) इसके पश्चात सभाध्यक्ष एवं महासमिति के प्रमुख मार्गदर्शक डॉ. शीतलचन्द जैन ने वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु की साक्षी में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद की निष्ठा एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नव-निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार जैन एवं महामंत्री राजेश जैन ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए सभी का आभार प्रकट किया। नवीन कार्यकारिणी द्वारा मुख्य मार्गदर्शक डॉ. शीतलचन्द जैन, चुनाव अधिकारी डॉ. विमल कुमार जैन एवं चुनाव पर्यवेक्षक दिनेश कुमार जैन का केशर तिलक, माला, दुपट्टा, शॉल एवं पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। साथ ही निवर्तमान कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष कैलाशचन्द्र मलैया, डॉ. भागचन्द जैन, मंत्री रमेश जैन एवं कोषाध्यक्ष रमेश जैन का विशेष सम्मान किया गया। महामंत्री राजेश जैन की प्रेरणा से छह महानुभावों ने महासमिति के संरक्षक सदस्य (₹11,000) बनने की सहमति प्रदान की, जिनका सभाध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी द्वारा सम्मान किया गया। इनमें ज्ञानचन्द जैन (कुड़ीला वाले, चौड़ा रास्ता), अभिषेक-शिखा जैन (प्रतापनगर सेक्टर-5), दिनेश-मोनिका जैन (देशना कम्प्यूटर), राजेश-प्रीति जैन (जनता कॉलोनी), कैलाशचन्द-रोहित मलैया (प्रतापनगर सेक्टर-3) एवं डॉ. अरविन्द-सरोज जैन (चौमूबाग) शामिल रहे। अल्प विराम के पश्चात चाय-नाश्ते की व्यवस्था रही। इसके बाद सभाध्यक्ष समाजरत्न डॉ. शीतलचन्द जैन ने अपने मार्मिक उद्बोधन में समाज एवं संस्था के प्रति संघर्ष, उपलब्धियाँ एवं कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए निवर्तमान कार्यकारिणी की प्रशंसा की तथा नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ एवं आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने चरित्र, विश्वास और समर्पण को अटल कार्यसूत्र बताते हुए विनम्रता को मोक्ष का द्वार कहा। अंत में पं. प्रद्युम्न शास्त्री ने आगंतुक महानुभावों एवं पार्श्वनाथ भवन समिति का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन रमेश कुमार जैन (अमरमऊ) द्वारा किया गया तथा संचालन डॉ. भागचन्द जैन ने किया। समापन अवसर पर सभी ने खड़े होकर सामूहिक रूप से ''प्रेमभाव हो सब जीवों पर' समता पाठ कर कार्योत्सर्ग किया। जय जिनेन्द्र के उद्घोष के साथ सभा का विसर्जन हुआ तथा तत्पश्चात महासमिति की ओर से आयोजित भोजन का सभी ने आनंद लिया।

राजेश जैन, महामंत्री

रोजगार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

रावतसर. नरेश सिगची। आज श्रीगंगानगर ज़िले में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मटका चौक में लाडली सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित रोजगार प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। इसमें ज़िले के विभिन्न ब्लॉकों से सैकड़ों युवक-युवतियों ने भाग लिया। शिविर में साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस प्रोग्राम, निःशुल्क डिप्लोमा प्रमाण-पत्र, महिलाओं के लिए स्थायी रोजगार हेतु सिलाई प्रशिक्षण परियोजना, तथा मसाला उत्पादन एवं पैकिंग परियोजना जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि रोजगार के अवसर अधिक से अधिक बढ़ाए जा सकें। इस अवसर पर शिविर के मुख्य प्रशिक्षक श्रवण दादावत (पाली) रहे। शिविर का आयोजन लाडली सेवा संस्थान की अध्यक्ष एवं संचालक शशि मोदी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. जगदीप सिंह (मानवाधिकार ज़िला अध्यक्ष, हनुमानगढ़) एवं केलाश गेदर (अध्यक्ष, HHCT) द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संस्थान द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा उन्हें अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में लाडली सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी एवं टीम सदस्यों दीपिका, भूमिका, मीनू, मनीषा, हर्षदीप कौर, प्रियंका, रितिका, सुमनदीप कौर आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

स्व. श्री प्रहलाद जी मीणा की प्रथम पुण्यतिथि पर ईश्वर नगर में रक्तदान शिविर, 65 यूनिट रक्तदानः लक्ष्मण मीणा

पिता के चारों पुत्रों व पुत्रवधुओं ने किया रक्तदानः रामलाल मीणा

ईश्वर नगर/केशवराय पाटन. शाबाश इंडिया

जिला प्रवक्ता रामलाल मीणा एवं जिलाध्यक्ष रामलक्ष्मण मीणा (नर्सिंग ऑफिसर) ने बताया कि रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी एवं लक्ष्मण रेखा ट्रस्ट (एलआरटी) के संयुक्त तत्वावधान में 21 दिसंबर 2025 को ईश्वर नगर, केशवराय पाटन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 65 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर की शुरूआत स्व. श्री प्रहलाद जी मीणा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर की गई। शिविर में श्री रुपेश शर्मा, कजोड़ मीणा, गोबरीलाल मीणा, महावीर मीणा, घनश्याम, रामलाल मीणा, रामलक्ष्मण मीणा, रोहित मीणा तीरथ, पुरुषोत्तम तीरथ सहित अनेक अतिथिगण एवं रक्तवीर उपस्थित रहे। शिविर को सफल बनाने में सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

इन रक्तवीरों ने किया रक्तदान

उर्मिला मीणा, रामलाल मीणा, सुरेश मीणा, अविनेश मीणा, श्यामसुंदर मीणा, नंदप्रकाश मीणा, कृष्ण मुरारी खिरवाल, दीपक मंगल, शंभूदयाल, अंकेश मीणा, पुरुषोत्तम नागर, मुकेश नागर, राजेंद्र मीणा, पवन बैरागी, दिनेश, आकाश मीणा, श्याम बिहारी, नागेंद्र मीणा, नंदकिशोर मेघवाल, देवेंद्र मीणा, हेमराज मीणा, राजेंद्र मीणा, मोनू मीणा, प्रेमशंकर मीणा, विनोद मीणा, निरंजन नागर, शिवनारायण नागर, दीपक मीणा, शिवप्रकाश, अशोक कुमार, अंकित बैरागी, शुभम, हेमराज मीणा, नेतराम मीणा, रामबिलास, लेखराज बैरवा, महावीर मीणा, अभिषेक मीणा, दीनदयाल मीणा, अनिल मीणा, रामराज मीणा, ईश्वर मीणा, सुरेंद्र मीणा, कुलदीप मीणा, राजेंद्र कुमार, नरेंद्र मीणा, रोहित मीणा, आकाश मीणा, पृथ्वीराज, अरविंद नागर, पंकज यादव, मुकेश मीणा, विजय मीणा, भारतराज मीणा, नरेश मीणा, राजेंद्र मीणा, चंद्रशेखर, योगेश, लोकेश मीणा, नरेश, ब्रह्मानंद, महावीर मीणा, तुलसीराम, प्रदीप कुमार मीणा, सियाराम सहित अनेक रक्तवीरों ने रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर में सहयोग

रामलाल मीणा, रामलक्ष्मण मीणा (नर्सिंग ऑफिसर), रोहित मीणा तीरथ, श्यामसुंदर मीणा, दीपक मंगल सहित अनेक रक्तवीरों का विशेष सहयोग रहा।

रक्तदान शिविर की प्रेरणा

रामलाल मीणा अपने पिता की पुण्यतिथि पर कोई नेक सेवा कार्य करना चाहते थे। उन्हें यह प्रेरणा अपने मित्र रामलक्ष्मण मीणा (नर्सिंग ऑफिसर) एवं सीताराम मीणा से मिली, जो नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करते रहते हैं। इसी प्रेरणा से रामलाल मीणा ने साथियों के सहयोग से अपने पिता की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

वर्ष में तीन से चार बार रक्तदान करें

रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी के प्रवक्ता एवं रक्तवीर रामलाल मीणा ने बताया कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में तीन से चार बार रक्तदान करना चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके और उनके जीवन की रक्षा की जा सके।

रक्त संग्रहण में इनका योगदान

सामान्य चिकित्सालय बूंदी के ब्लड बैंक की टीम ने 65 यूनिट रक्त संग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में डॉ. राजेश भरतिया, एसएलटी हबीब मंसूरी, एलटी अमित गौतम, नरेश नागर, किरण राठौड़ (नर्सिंग ऑफिसर), काउंसलर लक्ष्मी गुर्जर, हेल्पर भारती शर्मा, जगदीश श्रृंगी तथा वाहन चालक पप्पूलाल मीणा शामिल रहे।

नेमिनाथ से नेमिनाथ तकः सानंद यात्रा संपन्न होने पर तीर्थंकर नेमिनाथ को वंदन कर श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर नेमिनाथ जैन मंदिर, जयपुर से छह दिवसीय तीर्थ यात्रा पर गया 101 सदस्यीय यात्रा दल तारंगा, उमता, गिरनार, सोनगढ़, घोघा तथा पालीताणा आदि तीर्थों की यात्रा सानंद पूर्ण कर सोमवार को जयपुर लौट आया। यात्री दल के पदम जैन बिलाला एवं सुनील सेठी ने बताया कि यात्रा दल के सदस्यों का रेलवे स्टेशन पर समाजजनों द्वारा माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात सभी यात्री जनकपुरी स्थित नेमिनाथ जैन मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने मूलनायक तीर्थंकर नेमिनाथ के दर्शन-वंदन कर भक्ति भाव से श्रीफल समर्पित किया तथा प्रतिक्रमण कर कृतज्ञता व्यक्त की। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों में संत-संघों के दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य वर्धमान सागर के शिष्य अर्पित सागर जी ससंघ के तारंगा में, आचार्य निर्मल सागर के शिष्य दर्शन सागर जी के गिरनार में तथा आचार्य सुनील सागर के चतुर्विध संघ के घोघा में दर्शन कर सभी ने आत्मिक लाभ प्राप्त किया। यात्रा का सानंद एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न होना यात्रियों के सहयोग, अनुशासन और आपसी सद्भाव का परिणाम रहा। सभी के लिए यह तीर्थयात्रा आध्यात्मिक अनुभूति और स्मरणीय पलों से परिपूर्ण एक यादगार यात्रा सिद्ध हुई।

भव्यता , संस्कृति एवं प्रतिभा का संगम - विद्यालय का वार्षिक - समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित आदिनाथ पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक - समारोह शिक्षा , संस्कृति और संस्कारों का अद्भुत संगम बनकर स्मृतियों में अंकित हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप- प्रज्वलन, णमोकार महामंत्र और सरस्वती वंदना से किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री नगेन्द्र कुमार जी जैन साहब , फॉर्मर चीफ जस्टिस मद्रास एवं कर्नाटक हाइकोर्ट रहे, इस शुभ अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष महोदय आदरणीय श्री एन.के.सेठी जी ,मंत्री महोदय आदरणीय श्री महेशचंद्र जी चाँदवाड़ साहब एवं कार्यकारिणी प्रबंध समिति के गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को नई ऊंचाइयों एवं सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ पवना शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने विद्यालय की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं संस्कारवान नागरिकों का निर्माण करना भी है ।इस संदर्भ में अपने वक्तव्य में उन्होंने विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का मनोहारी प्रदर्शन किया तथा विभिन्न प्रांतों की लोक - संस्कृति पर आधारित नृत्य , नाटिका आदि प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता एवं एकता का सुंदर चित्रण कर सभी अभिभावकों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा : विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के अध्यक्ष महोदय जी एवं मंत्री महोदय जी ने अपने गरिमापूर्ण प्रेरक उद्बोधन द्वारा सभी की सराहना की एवं सभी को साधुवाद प्रेषित किया ।विद्यालय की प्रिंसिपल महोदया डॉ पवना शर्मा ने इस सुंदर कार्यक्रम के लिए सभी बच्चों और शिक्षकों की भूरी - भूरी प्रशंसा की तथा सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन विद्यालय की समृद्ध परंपरा, सुदृढ़ शैक्षणिक दृष्टि और उज्जवल भविष्य का सशक्त प्रतीक बनकर सभी के हृदय में एक अमिट छाप छोड़ गया।

प्रेषक: अमित कुमार जैन

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गलतियों के शोधन का नाम है उन्नति, और पुनः वृत्ति नहीं करने का नाम है क्षमाः अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि हम अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम गलती के प्रति ग्लानि महसूस कर सकते हैं। जो हमने किया है, या जो हमसे हुआ है उसके लिये नहीं, बल्कि जो कुछ हुआ है वो चाहे हमारे कारण से हो या किसी दूसरे के कारण से, हम अपने विवेक के द्वारा उस कृत्य को मन और चेतना के स्वभाव को जानकर, विशाल दृष्टिकोण अपनाकर उस कृत्य से सीख सकते हैं। गलती का अर्थ सिर्फ यह है कि तुम एक सबक सीखने का अवसर चूक गये। अपनी गलती पर विलाप मत करो। उससे शिक्षा लो कि तुम्हारी परख गलतियों से नहीं बल्कि तुम्हारी पहचान गुणों से है। गलतियां संसारिक है, सद्गुण परमात्मा प्रदत उपहार है। समझदार वही है जो गलतियों से सीखता है। कम बुद्धि वाला अपनी गलती का दोषारोपण दूसरे पर करेगा। मूर्ख एक गलती को बार बार करेगा और कभी नहीं सुधरेगा। इसलिए गलती सुधारने में आप कभी पीछे मत रहना बल्कि सुधारने में हमेशा तैयार रहना। गलती हो, उसे सहज स्वीकार करो और गलत फहमी हो, तो उसे दूर करो...

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

माँ स्वस्ति इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव सम्पन्न

शिक्षा के साथ संस्कारों के बीजारोपण की आवश्यकता: आर्यिका स्वस्तिभूषण

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

शिक्षा के साथ संस्कारों का होना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में स्कूली शिक्षा में बच्चों को किताबी ज्ञान तो मिलता है, लेकिन वे संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि विद्यालयों में किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण भी किया जाए। स्कूली शिक्षा ज्ञान और कौशल सिखाती है, जबकि संस्कार नैतिक मूल्य, सही आचरण और जीवन जीने का तरीका सिखाते हैं। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और एक सभ्य, सफल एवं जिम्मेदार व्यक्ति तथा समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। व्यक्ति शिक्षा के बिना अज्ञानी और संस्कारों के बिना चरित्रहीन हो सकता है। जीवन में शिक्षा और संस्कार दोनों का समान महत्व है। शिक्षा दिशा देती है और संस्कार उस दिशा में चलने की प्रेरणा एवं शक्ति प्रदान करते हैं। केवल किताबी शिक्षा से व्यक्ति जीवन में भटक सकता है, लेकिन शिक्षा के साथ संस्कार मिलने से जीवन सरल और सफल बनता है। एक शिक्षित व्यक्ति बुद्धिमान हो सकता है, किंतु एक संस्कारवान व्यक्ति ही देश और समाज के लिए उपयोगी तथा अच्छा इंसान बनता है। इसलिए बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अच्छे आचरण की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें। देश, धर्म, समाज और परिवार के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान होना भी जरूरी है। उक्त उद्गार गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने माँ स्वस्ति इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिकोत्सव के अवसर पर वर्चुअल माध्यम से बच्चों एवं पालकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विगत दिवस माँ स्वस्ति इंटरनेशनल स्कूल, मुरैना में वार्षिक उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस वर्ष के वार्षिक समारोह की थीम ''नवरस – जीवन के नौ भाव'' पर आधारित थी, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने मानव जीवन की विविध भावनाओं को मंच पर सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जैन छात्रावास के बच्चों ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने नृत्य, नाट्य एवं संगीत प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रृंगार, हास्य, करुणा, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत एवं शांत—इन नौ रसों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के डायरेक्टरों ने पालकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'नवरस' जैसी थीम बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक है। उन्होंने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट के साथ-साथ आगामी कार्ययोजना भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में अभिभावकों एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की तथा प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

पूज्य गुरुमां स्वस्तिभूषण ने दिया शुभाशीष

कार्यक्रम के मध्य वर्चुअल माध्यम से जैन साध्वी गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने समस्त बच्चों, पालकों एवं स्टाफ को शुभाशीष प्रदान किया। जैसे ही गुरुमां ने शुभाशीष के लिए हाथ उठाया, सम्पूर्ण सभामंडप तालियों की गड़गड़ाहट और जयकारों से गूंज उठा। सभी के चेहरों पर प्रसन्नता और आनंद के भाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हुए।

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा निःशुल्क घुटना रोग जाँच एवं निदान शिविर 25 जनवरी को

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका की मासिक बैठक अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया मुख्य अतिथि रहे, जबकि ललिता शंकर जोशी एवं विजयपाल गहलोत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन जनार्दन राय नागर ने किया। बैठक के प्रारंभ में अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी ने उडेला उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित स्वेटर वितरण कार्यक्रम की जानकारी दी। मुख्य अतिथि अजीत कोठिया ने प्रतिदिन ऑनलाइन आयोजित ई-चौपाल से सभी सदस्यों को जुड़ने का आह्वान किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 25 जनवरी 2026 को डडूका में एक दिवसीय ज्वाइंट पेन रिलीफ (घुटना रोग जाँच एवं निदान) शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। शिविर में प्रसिद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. प्रीतेश जैन (पार्श्वनाथ क्लीनिक) अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे। साथ ही, प्रथम 50 रोगियों को निःशुल्क दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई जाएँगी। इसी क्रम में 23 दिसंबर को डडूका पीईईओ क्षेत्र के चार विद्यालयों के 85 विद्यार्थियों को शीत निवारण हेतु स्वेटर वितरित किए जाएँगे। सभी विद्यालयों के अध्यापकों को महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा जीवन-रक्षक टैबलेट किट भी प्रदान की जाएँगी। बैठक में यह भी घोषणा की गई कि महावीर इंटरनेशनल डडूका केंद्र की नई कार्यकारिणी (वर्ष 2025-27) का शपथग्रहण समारोह 25 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नागरिक सम्मान के अंतर्गत हड़मतिया निवासी 104 वर्षीय मदन सिंह गमीर सिंह चौहान को सम्मानित किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए ललिता शंकर जोशी ने एपिक हॉस्पिटल, अहमदाबाद के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल जैन की सेवाओं तथा महावीर इंटरनेशनल डडूका के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर महावीर प्रवाह एक्सप्रेस साप्ताहिक के 8-15 दिसंबर अंक का केंद्र सदस्यों के लिए गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया द्वारा लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनार्दन राय नागर ने किया तथा आभार प्रदर्शन रणजीत सिंह सोलंकी ने किया।

जेएसजी अनंता ने आयोजित की 'विचार गंगा'

विषयः जैन समाज की शादियों में बढ़ता खर्च– उचित अथवा अनुचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी अनंता ने रविवार को मार्बल भवन ऑडिटोरियम में अपनी द्वितीय साधारण सभा के साथ ''विचार गंगा'' का आयोजन किया। इस अवसर पर विचार-विमर्श का विषय था– जैन समाज की शादियों में दिन-प्रतिदिन बढ़ता खर्च, जो उचित है अथवा अनुचित। अध्यक्ष विनोद चपलोत ने बताया कि इस विषय पर चर्चा हेतु 13 सह-दम्पति सदस्यों ने भाग लिया। इनमें से कुछ सदस्यों ने पक्ष में तथा कुछ ने विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। पक्ष के वक्ताओं का मानना था कि वर्तमान समय में परिवारों में बच्चों की संख्या कम है और धन की उपलब्धता अधिक है, ऐसे में विवाह जैसे उत्सव को अधिक खर्च कर महोत्सव का रूप देना अनुचित नहीं है। उनका कहना था कि विवाह में किया गया खर्च हजारों लोगों के लिए रोजगार का साधन भी बनता है। संस्थापक

अध्यक्ष मोहन बोहरा ने बताया कि विषय के विपक्ष में विचार रखने वाले दम्पति सदस्यों का मानना था कि विवाह आदि में अत्यधिक खर्च जैन धर्म के सिद्धांतों–समता और अपव्यय-विरोध–के विपरीत है। उनका यह भी मत था कि विवाह खर्च में से कुछ राशि बचाकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि इस प्रकार का व्यय खुशियों को कई गुणा बढ़ा सकता है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत थे कि कर्ज लेकर विवाह में खर्च करना किसी के लिए भी सुखदायक नहीं हो सकता। उपाध्यक्ष महेश नाहर ने बताया कि सभा के अंत में सदस्यों द्वारा पक्ष एवं विपक्ष के संदेशों को तख्तियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। 'विचार गंगा' के वक्ताओं में गजेंद्र जोधावत, सविता पागरिया, लोकेश तलेसरा, कमला तलेटिया, ललित कच्छारा, अरुण खेमेसरा, रमेश शाह, डॉ. शिल्पा नाहर, मंजु बाबेल, आनंद चोरडिया तथा सरोज बोहरा शामिल रहे। सभा में प्रदीप बाबेल, विनोद पागरिया, रमेश गेलड़ा, अनिल हिंगड़, यशवंत बाफना, तेज सिंह मोदी, अजीत जैन, शशिकांत जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव

जोधपुर लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में दिव्या ने लहराया परचम

जोधपुर. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निंबो का गाँव (ब्लॉक बालेसर), जोधपुर की छात्रा दिव्या ने सांसद खेल महोत्सव की लोकसभा क्षेत्र (जिला स्तरीय) खेल प्रतियोगिता में योगा प्रतियोगिता के अंतर्गत द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता भारती एयरटेल फाउंडेशन के क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के तहत आयोजित सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत संपन्न हुई। प्रधानाचार्य एवं पी.ई.ई.ओ. पन्नालाल चौहान ने बताया कि अंडर-19 वर्ष छात्रा वर्ग में विद्यालय की दिव्या का चयन हुआ था, जिसने शेरगढ़ में आयोजित विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। शारीरिक शिक्षक कैलाश कुमार ने बताया कि दिव्या पूर्व में भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर चुकी है और उन्हें विश्वास है कि वह राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों, ग्रामीणजनों एवं विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए दिव्या को शुभकामनाएँ दीं।

राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर 'शब्दकार' की भव्य काव्य गोष्ठी

जयपुर. शाबाश इंडिया

सोमवार, 22 दिसंबर को शब्दकार के बैनर तले गीतकार आलोक चौधरी के निवास स्थल पर राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शब्दाक्षर के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजन का दायित्व गीतकार आलोक चौधरी ने संभाला, जबकि संचालन का दायित्व शब्दकार के अध्यक्ष प्रदीप कुमार धानुक ने निभाया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राम पुकार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में चंद्रिका प्रसाद पाण्डेय अनुरागी उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। भारतीय परंपरा के अनुसार बिकास ठाकुर द्वारा माँ भारती की वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात आलोक चौधरी के स्वागत भाषण के साथ काव्य गोष्ठी प्रारंभ हुई, जिसमें सभी सुधीजनों ने अपनी-अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं से भरपूर तालियाँ बटोरीं। इस काव्य गोष्ठी में जिन रचनाकारों ने सहभागिता की, उनमें रवि प्रताप सिंह, राम पुकार सिंह, चंद्रिका प्रसाद अनुरागी, हीरालाल जायसवाल, डॉ. मनोज मिश्र, ललिता जोशी, प्रतिभा सिंह, वंदना पाठक, नंदू बिहारी, कमल पुरोहित ''अपरिचित'', आलोक चौधरी, बिकास ठाकुर, प्रदीप कुमार धानुक एवं शिवम् तिवारी शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रवि प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित रचनाकारों को अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का संकलन प्रकाशित करने का सुझाव दिया, ताकि उनकी पहचान उनकी कविताओं के माध्यम से स्थायी रूप से बनी रहे। अंत में प्रदीप कुमार धानुक ने सभी अतिथियों एवं रचनाकारों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस अभूतपूर्व कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की।

18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि यात्रा संघ भीलवाड़ा प्रयागराज-वाराणसी पहुंचा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। 18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि यात्रा संघ भीलवाड़ा द्वारा 11 तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की यात्रा करते हुए संघ प्रयागराज एवं वाराणसी पहुंचा। प्रचार संयोजक प्रकाश पाटनी ने बताया कि संघ ने धर्मनाथ, पुष्पदंत एवं चंद्रप्रभु भगवान की जन्मभूमियों की यात्रा करते हुए वाराणसी में शिहपुरी स्थित श्रेयान्सनाथ भगवान के दर्शन किए। इसके पश्चात यात्री प्रयागराज के गंगा घाट पहुँचे, जहां सभी यात्रियों ने नौकाविहार कर गंगा नदी के मनोरम दृश्य का आनंद लिया तथा काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिवलिंग के दर्शन किए। संयोजक पूनमचंद सेठी ने बताया कि इसी क्रम में रात्रि विश्राम के पश्चात प्रातः पार्श्वनाथ भगवान की जन्मभूमि काशी पहुँचकर दर्शन किए गए। तत्पश्चात जैन घाट स्थित सुपार्श्वनाथ भगवान की जन्मभूमि में जिनेंद्र देव के दर्शन कर सभी यात्री ऋषभदेव की तपस्थली तीर्थ क्षेत्र प्रयागराज (इलाहाबाद) पहुँचे। वहाँ कैलाश पर्वत, समवसरण की रचना, ऋषभदेव कीर्ति स्तंभ तथा भगवान ऋषभदेव की मनोहारी प्रतिमा के दर्शन किए गए। इसके उपरांत प्रयागराज संगम घाट पहुँचकर सभी यात्रियों ने स्नान कर स्वयं को धन्य किया। संयोजक राजेंद्र सोगानी ने बताया कि संघ 23 दिसंबर की प्रातः मथुरा के लिए प्रस्थान करेगा।

सर्दियों के मौसम में गर्भवती महिलाओं की देखभाल

डॉ. संध्या यादव

(प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एसोसिएट प्रोफेसर)

सर्दियों के मौसम में गर्भवती महिलाओं को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। इस दौरान उन्हें अपनी सेहत और आहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ठंड के मौसम में गर्भावस्था के दौरान सर्दी, जुकाम, खांसी और फ्लू जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। ऐसे में बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों का सेवन करना गर्भस्थ शिशु के लिए हानिकारक हो सकता है। प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने के लिए ताजे फल व सब्जियाँ, नट्स तथा विटामिन-सी से भरपूर आहार जैसे संतरा, नींबू और ब्रोकली का सेवन करना चाहिए। इससे सर्दी-जुकाम से लड़ने में मदद मिलती है। ठंडे एवं बासी खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करना चाहिए। सर्दियों में त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे रूखापन और खुजली होना आम है। इसलिए त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन आवश्यक है। गर्भावस्था के दौरान महिला के भोजन में कैल्शियम, लौह तत्व (आयरन), प्रोटीन तथा विटामिन का संतुलित मात्रा में होना अत्यंत आवश्यक है–

कैल्शियम: दूध एवं दूध से बने पदार्थ जैसे पनीर, दही, मक्खन तथा अंडों में प्रचुर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है।

लौह तत्व (आयरन): हरी पत्तेदार सब्जियाँ, गुड़, अंकुरित मूंग दाल, भुना चना, अनार, सेब, चुकंदर एवं सोयाबीन आयरन के अच्छे स्रोत हैं।

प्रोटीन: गर्भस्थ शिशु के शारीरिक विकास के लिए प्रोटीन अत्यंत आवश्यक है। दालें, अंडे एवं डेयरी उत्पाद प्रोटीन से भरपूर होते हैं।

फोलिक एसिड: शिशु के मस्तिष्क एवं शारीरिक विकास के लिए फोलिक एसिड आवश्यक है। यह गहरे रंग की हरी सब्जियों, मक्का, मक्के का आटा, चावल, केला तथा ब्रोकली में पाया जाता है।

ठंड के मौसम में गर्भवती महिलाएँ अक्सर एक ही स्थान पर लंबे समय तक बैठी रहती हैं, जो उचित नहीं है। उन्हें हल्के-फुल्के घरेलू कार्य करने चाहिए तथा डॉक्टर की सलाह से नियमित व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम या कार्य के दौरान यदि पसीना आए तो तुरंत कपड़े नहीं उतारने चाहिए। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें तथा पैरों में मोजे अवश्य पहनें।

धार्मिक यात्रा सम्पन्नः नीमकाथाना, खंडेला व रेवासा वात्सल्य धाम की भक्ति-सेवा यात्रा

जयपुर/सीकर. शाबाश इंडिया

श्री रंजीत कासलीवाल के निर्देशन में नीमकाथाना, खंडेला एवं रेवासा स्थित वात्सल्य धाम की धार्मिक यात्रा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुई। यात्रा का शुभारंभ श्री दुर्गापुरा स्थित दिगम्बर जैन मंदिर, चन्द्रप्रभ जी से हुआ, जहाँ श्रावक-श्राविकाओं ने प्रातः गणिनी आर्यिका 105 सरस्वतीजी से आशीर्वाद प्राप्त कर भगवान चन्द्रप्रभ जी के दर्शन किए। इसके पश्चात यात्रा दल नीमकाथाना स्थित नव-निर्मित दिगम्बर जैन मंदिर, चन्द्रप्रभ जी पहुँचा। वहां भगवान चन्द्रप्रभ, नेमीनाथ एवं महावीर स्वामी की प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया। शान्तिधारा का सौभाग्य डॉ. एम. एल. जैन 'मणि' एवं श्री रंजीत कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। स्वल्पाहार के उपरांत सीकर से पधारे पंडित आशीष जैन के सान्निध्य में भगवान चन्द्रप्रभ विधान विधिवत सम्पन्न हुआ। विधान के दौरान भजनों की मधुर प्रस्तुति हुई तथा अंत में आरती की गई। इस अवसर पर

जयपुर से श्री रंजीत कासलीवाल (संयोजक), निर्मला कासलीवाल, निरंजन-रेणु, ऋषभ-दीपिका, रियांश, प्रणम्य, युगम, तायशा, राजेन्द्र जी-मंजू सिंघल, महेन्द्र जी-सुशीला गंगवाल, विमला छाबड़ा, डॉ. एम. एल. जैन 'मणि' व डॉ. शान्ति जैन 'मणि' सहित सीकर एवं नीमकाथाना के गणमान्य श्रावक उपस्थित रहे। विधान समापन पर पंडित आशीष जैन एवं नीमकाथाना निवासी, मानसरोवर प्रवासी श्री-सुशीला जैन का माला व दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। समस्त व्यवस्थाएँ मंदिर व्यवस्थापक दम्पत्ति द्वारा की गईं तथा सभी के लिए वात्सल्य भोज आयोजित हुआ। दोपहर पश्चात यात्रा दल खंडेला पहुँचा, जहाँ भगवान पार्श्वनाथ की विशाल खड्गासन प्रतिमा के तृतीय तल पर दर्शन किए गए तथा नीचे मंदिर में भी दर्शन लाभ लिया गया। सायंकाल दल रेवासा स्थित वात्सल्य धाम, रेवासा पहुँचा, जो आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज की प्रेरणा से स्थापित है। यहाँ सभी ने सायंकालीन भोजन किया। वर्तमान में इस धाम में 23 अनाथ व निर्धन बच्चे, कुछ बुजुर्ग व असहायजन निवासरत हैं तथा सात कर्मचारी सेवाएँ दे रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. एम. एल. जैन 'मणि' एवं डॉ. शान्ति जैन 'मणि' की ओर से बच्चों व कर्मचारियों को ऊनी फुल स्वेटर, स्टेशनरी सामग्री तथा टॉफी-बिस्कुट वितरित किए गए। साथ ही डॉ. मणि के भावी जीवन व जन्मदिन की मंगलकामनाओं के साथ केक काटा गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति ने वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया। संस्थान की ओर से डॉ. मणि का माला, साफा पहनाकर मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया।

चोबीसवीं पुण्य तिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भगवान आदिनाथ

हमारे प्रेरणा स्त्रोत मुनिभक्त एवं देव शास्त्र गुरू के अनन्य भक्त

स्वर्गवास 23 दिसम्बर 2001

स्व. श्री राजमल जैन

की 24 वीं पुणयतिथि 23 दिसम्बर, 2025

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

ईश्वर की इच्छा के आगे हम हैं नतमस्तक। अभी भी सुनाई देती है आपकी गूंज।। आपकी उपस्थिति का अहसास हमेशा होता है आसपास।

-: श्रद्धावनत :-

विमल चन्द जैन, महावीर प्रसाद जैन, प्रकाश चन्द जैन, ज्ञानचन्द जैन एवं समस्त परिवार (दरा स्टेशन, जिला कोटा)

-: प्रतिष्ठान:-

❍ श्री जैन ट्रेडिंग -अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर, ❍ श्री जैन प्रोपर्टीज-अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर, ❍ श्री जैन बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर्स-मुहाना मण्डी रोड, जयपुर, ❍ शाह आर्किटेक्ट-बनीपार्क, जयपुर, ❍ श्रीमाल किराणा स्टोर, दरा स्टेशन, कोटा

सौजन्य से: मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट 119/538, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

मो. 9413301367, 9772201367

धर्म-संस्कृति-समाज रक्षा का शंखनाद

इंदौर से उठेगी तीर्थ संरक्षण की सबसे बुलंद आवाज

विश्व जैन संगठन का महा-ऐलानः 20 जुलाई 2026 को एक लाख तीर्थ रक्षक गिरनार में करेंगे दर्शन

इंदौर. शाबाश इंडिया

''तीर्थ हमारे प्राण हैं, और प्राणों की रक्षा के लिए अब समाज का बच्चा-बच्चा रणबांकुरा बनेगा।'' इसी ओजस्वी संकल्प के साथ विश्व जैन संगठन, इंदौर की वार्षिक बैठक शनिवार को मोदीजी की नसियां, इंदौर में संपन्न हुई। बैठक में युवाओं के जोश और वरिष्ठों के अनुभव का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहाँ जैन समाज की धर्म-संस्कृति की सुरक्षा और तीर्थों के संरक्षण के लिए पाँच-सूत्रीय ऐतिहासिक एजेंडा पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। राजेश जैन 'दद्दू' एवं मयंक जैन ने बताया कि 20 जुलाई 2026 को गिरनार तीर्थ की पावन धरा पर नया इतिहास रचा जाएगा। संगठन ने लक्ष्य घोषित किया है कि उस दिन भगवान नेमिनाथ के चरणों में निर्वाण लाडू समर्पित करने हेतु देशभर से एक लाख तीर्थ रक्षक गिरनार पहुँचेंगे। इस महा-अभियान का नेतृत्व इंदौर के 2000 जांबाज युवा साथी करेंगे। यह आयोजन गिरनार जी की पवित्रता की रक्षा और जैन समाज के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

युवाओं को सामर्थ्य से जोड़ने की पहल

मयंक जैन ने कहा कि संगठन अब युवाओं को केवल धर्म से ही नहीं, बल्कि शारीरिक व मानसिक सामर्थ्य से जोड़ने के लिए इंदौर सहित विभिन्न स्थानों पर 'भगवान बाहुबली अखाड़े' प्रारंभ करेगा। इन अखाड़ों का उद्देश्य जैन युवाओं को वज्र के समान शक्तिशाली बनाना और उनमें धर्म-रक्षा का संस्कार जगाना है। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि अब तीर्थों की रक्षा सड़कों से लेकर न्यायालय (कानूनी विंग) और सोशल मीडिया तक, हर मोर्चे पर संगठित रूप से लड़ी जाएगी।

नई ऊर्जा के साथ नई कार्यकारिणी का गठन

संगठन की धार को और पैना करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें अनुभव और युवा जोश का संतुलित समावेश किया गया है।

मनोनित पदाधिकारी/सदस्यः

राजेश जैन 'दद्दू', ओमजी पाटोदी, महेंद्रजी पहाड़िया, विनोदजी जैन, एडवोकेट पारसजी जैन, अशोकजी सामरिया, शैलेन्द्रजी सोगानी, संजयजी जैन, सुभाषजी जैन, संतोषजी जैन, आकाशजी जैन, प्रद्युम्नजी जैन, केतन जैन, आलोकजी जैन, जितेंद्रजी जैन, आशीषजी जैन, दिनेशजी जैन, विशाल जैन एवं चक्रेश जी जैन। सभा की शुरूआत प्रेरणाजी के मंगलाचरण से हुई तथा संचालन इकाई अध्यक्ष मयंक जैन ने किया। बैठक में राजेश जैन 'दद्दू', ओमजी पाटोदी, हेमंतजी, महेंद्रजी तथा विनोदजी (अध्यक्ष, सुखलिया समाज) ने प्रभावी संबोधन देते हुए कहा कि अब मौन रहने का समय समाप्त हो चुका है; यह संगठित होकर अपनी विरासत की रक्षा का समय है। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने इंदौर से 2000 युवाओं का विशेष जत्था तैयार करने का सामूहिक संकल्प लिया। -राजेश जैन 'दद्दू'

मानव सेवा की मिसालः दिव्यांग को कृत्रिम पैर भेंट

इंदौर. राजेश जैन दद्दू

महावीर ट्रस्ट बाल कल्याण एवं शोध संस्थान केंद्र (कीर्ति स्तंभ), इंदौर में आज मानव सेवा के अंतर्गत एक दिव्यांग बंधु को कृत्रिम पैर प्रदान किया गया। यह सेवा कार्य दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, रीजन सचिव संजय पापड़ीवाल एवं संस्थान के प्रबंधक ललित राठौर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि महावीर ट्रस्ट बाल कल्याण एवं शोध संस्थान वर्षों से निरंतर शैक्षणिक, पारमार्थिक, रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाजसेवा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य न केवल दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता का संचार करते हैं, बल्कि समाज में करुणा और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे मानवता के प्रति समर्पण का प्रेरणास्पद उदाहरण बताया।

श्री विजय जी एवं श्रीमती मुमुक्षा जी सोगानी

काच वालो को 25 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

मित्रा परिवार, शांति नगर
सुनील बिलाला - डॉ सोनल बिलाला,
पंकज -नीना पाटनी,
मैकीन गोदीका-प्रिया गोदीका,
मनीष - नीशा अजमेरा
मनीष- आभा दोसी,
विवेक - सिद्धि गोदीका
पराग -नैंसी जैन

आलोक-छवि छाबड़ा,
नवीन-अंतिमा जैन, मुकेश- मैना
अग्रवाल शिवाल - कल्पना जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सत्र 2026 के लिए राजेश-रानी पाटनी अध्यक्ष मनोनीत

ग्रुप का 'गेट-टुगेदर' 28 दिसंबर को स्पोर्ट्स थीम पर

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की कार्यकारिणी सभा का आयोजन 22 दिसंबर को अध्यक्ष मनीष शोभाना लोंग्या के नेतृत्व में किया गया। कार्यकारिणी सभा में संरक्षक दर्शन-विनीता बाकलीवाल ने सत्र 2026 के लिए राजेश-रानी पाटनी का नाम अध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावित किया, जिसका समर्थन संस्थापक अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने किया। इसके पश्चात कार्यकारिणी सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया। संस्थापक अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि कार्यकारिणी द्वारा 28 दिसंबर, रविवार को वर्ष 2025 का अंतिम गेट-टुगेदर स्पोर्ट्स थीम पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम के लिए अनिल-ज्योति जैन चौधरी, प्रदीप-प्राची जैन, नितेश-मीनू पांड्या एवं पंकज-नीना पाटनी को समन्वयक, जबकि सुधीर-अलका गोधा को संयोजक नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी ने सभी सदस्यों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

रोटरी क्लब नसीराबाद द्वारा आयोजित कॉनफ्रेंस 'जलवा' पुष्कर में सफलतापूर्वक सम्पन्न

पुष्कर (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

पुष्कर स्थित पुष्करा रिसोर्ट में रोटरी क्लब नसीराबाद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस 'जलवा' सफलतापूर्वक संपन्न हुई। रोटरी क्लब नसीराबाद के अध्यक्ष मनीष झंवर ने बताया कि रोटरी क्लब नसीराबाद के तत्वावधान में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 की वार्षिक कॉन्फ्रेंस 19 दिसंबर से 21 दिसंबर तक पुष्कर में आयोजित की गई। रोटरी गवर्नर निशा शेखावत ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के लगभग 75 शहरों से करीब 750 रोटेरियन ने भाग लिया। उन्होंने यह भी बताया कि पहली बार डिस्ट्रिक्ट 3053 के सभी पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। 19 दिसंबर को पुष्कर सरोवर पर महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी रोटेरियन परिवारों ने भक्ति भाव से सहभागिता की। कॉन्फ्रेंस चेयरमैन अरविंद मित्तल ने बताया कि 20 दिसंबर को विभिन्न शहरों से पधारे रोटरी पदाधिकारियों ने सभागार में आयोजित सत्रों में अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। इसी क्रम में इंडिया टीवी की एंकर मिनाक्षी जोशी ने अपने विशिष्ट अंदाज में विचार व्यक्त किए तथा 'वंदे मातरम्' का ओजस्वी एवं प्रभावशाली गायन प्रस्तुत किया। इस समारोह के सहायक चेयरमैन गौरव जिंदल ने जानकारी दी कि रविवार प्रातः एक विशेष कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेता रजा मुराद की सहभागिता भी रही। कार्यक्रम के कोषाध्यक्ष संजय बेपटिस्ट ने बताया कि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर हरीश गौड़ एवं कांति मेहता के पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। कार्यक्रम सचिव ने सफल आयोजन के लिए रोटरी गवर्नर निशा शेखावत, चेयरमैन अरविंद मित्तल, सहायक चेयरमैन गौरव जिंदल, कोषाध्यक्ष संजय बेपटिस्ट, अध्यक्ष मनीष झंवर सहित नवनीत राठी, अमित तापड़िया, नंदकिशोर गर्ग, आशीष गोयल, अरुण अजमेरा, भागचंद झंवर, सुनील माहेश्वरी एवं रोटरी क्लब नसीराबाद के सभी रोटेरियन सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

वीआईएफटी स्टूडेंट्स ने दिखाई प्रतिभा 'क्रिएटिव कार्निवल' में

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, फेस्टिव वाइब्स, सीक्रेट सांता, नो फायर कुकिंग जैसे इवेंट बनेंगे आकर्षण

उदयपुर. शाबाश इंडिया। यूआटी सर्कल स्थित वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड मास कम्यूनिकेशन कॉलेज में सोमवार से ''क्रिएटिव कार्निवल'' का आगाज हुआ। प्रिंसिपल नवीन सेन ने बताया कि इसके अंतर्गत पहले दिन स्टेट कल्चर मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में सभी स्ट्रीम के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। मेहंदी प्रतियोगिता में नैना, आस्मा, शालू एवं प्रिया ने सहभागिता की, जबकि रंगोली प्रतियोगिता में रिशिता ग्रुप, हार्दिक ग्रुप, नैना ग्रुप तथा प्रेक्षा ग्रुप ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। दोनों प्रतियोगिताओं की निर्णायक अनामिका गुप्ता रहीं। निदेशक डॉ. रिमझिम गुप्ता ने बताया कि इसी क्रम में मंगलवार को बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात आगामी दिनों में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, फेस्टिव वाइब्स, सीक्रेट सांता एवं नो फायर कुकिंग जैसे इवेंट्स आकर्षण का केंद्र बनेंगे। उन्होंने बताया कि क्रिएटिव कार्निवल के सभी इवेंट्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 26 दिसंबर को आयोजित फ्रेशर-फेयरवेल पार्टी के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा।

रिपोर्ट एवं फोटो : राकेश शर्मा राजदीप

सिद्धचक्र विधान में पूजन द्वारा सिद्ध भगवान का गुणानुवाद किया जाता है: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

प्रथम रथयात्रा, मंगल कलश यात्रा व ध्वजारोहण से सिद्धचक्र अनुष्ठान का शुभारंभ

निवाई. शाबाश इंडिया। पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ससंघ का निवाई नगर में पावन सान्निध्य प्राप्त है। नगर के सन्मति-महिपाल-मोहित चांवरिया परिवार द्वारा आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य शुभारंभ प्रथम दिन श्री पार्श्वनाथ भगवान की रथयात्रा, मंगल कलश यात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ किया गया। रथयात्रा बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई संत भवन, पारस उद्यान नसियां पहुँची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रीजी की मंगल आरती की गई। यह आयोजन 22 दिसंबर से 28 दिसंबर तक श्री सन्मति एवं श्रीमती कमलेश-महिपाल-मोहित के सौजन्य से संपन्न हो रहा है। सिद्धचक्र मंडल विधान के प्रथम दिवस में आठ अर्घ्य समर्पित किए गए। पूजन के दौरान आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने चढ़ाए गए द्रव्यों के आध्यात्मिक कारणों को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि सिद्ध भगवान का गुणानुवाद किया जाता है—जो संसार के समस्त बंधनों से मुक्त हो चुके हैं। प्रवचन में आचार्य श्री ने सिद्धचक्र विधान के गुणों का विवेचन करते हुए बताया कि ज्ञानावरणीय कर्म के नष्ट होने से अनंत ज्ञान, दर्शनावरणीय कर्म के नष्ट होने से अनंत दर्शन, वेदनीय कर्म के नष्ट होने से अव्याबाधत्व गुण, मोहनीय कर्म के नष्ट होने से अनंत सुख, नाम कर्म के नष्ट होने से सूक्ष्मत्व गुण, गोत्र कर्म के नष्ट होने से अगुरु-लघुत्व गुण, अंतराय कर्म के नष्ट होने से अनंत वीर्य, आयु कर्म के नष्ट होने से अवगाहनत्व गुण प्रकट होता है। मोहित, पवन बोहरा एवं हेमंत ने बताया कि विधान के पुण्यार्जक श्री सन्मति चांवरिया परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जिसमें आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ससंघ ने मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इसके पश्चात विधान स्थल पर भगवान पार्श्वनाथ को विराजमान कर चांवरिया परिवार द्वारा अभिषेक किया गया तथा मंडल शुद्धि विधान में बैठने वालों का सकलिकरण किया गया। आचार्य श्री के दर्शनार्थ आज रामसहाय वर्मा (विधायक, निवाई) एवं दिलीप इसरानी (नगरपालिका चेयरमैन) भी पधारे।

— राजेश पंचोलिया, इंदौर

आईसीएआई ब्यावर शाखा ने विश्व ध्यान दिवस 2025 पर विशेष ध्यान सत्र आयोजित किया

ब्यावर. शाबाश इंडिया

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की वर्क-लाइफ बैलेंस समिति के तत्वावधान में विश्व ध्यान दिवस 2025 के अवसर पर आईसीएआई ब्यावर शाखा द्वारा एक विशेष ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं अन्य पेशेवरों में मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और कार्य-जीवन संतुलन को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सीए अंकुर गोयल द्वारा स्वागत संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने तनावपूर्ण पेशेवर जीवन में ध्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रसिद्ध ध्यान प्रशिक्षक प्रेरणा बिनायकिया ने प्रातः एक घंटे तक प्रभावशाली ध्यान सत्र का संचालन किया। उन्होंने ''7 साइकिल्स ऑफ मेडिटेशन'' के माध्यम से श्वास-प्रश्वास, प्राण वायु नियंत्रण तथा नकारात्मक विचारों से मुक्ति के व्यावहारिक उपाय बताए। प्रतिभागियों ने सत्र के दौरान गहन शांति और ऊर्जा का अनुभव किया। आईसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए चरणजोत सिंह नंदा एवं वर्क-लाइफ बैलेंस समिति के चेयरमैन सीए जय छरीया ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम का समापन शाखा सचिव सीए अमित सुराणा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन मानसिक स्वास्थ्य और संतुलित जीवन शैली की दिशा में आईसीएआई ब्यावर शाखा की सराहनीय पहल रहा।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में रामानुजन जयंती को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया गया

शाबाश इंडिया। इस अवसर पर छात्राओं को महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन से जुड़ी प्रेरक बातों से अवगत कराया गया। गणित व्याख्याता पंकज शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए रामानुजन के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सीमित संसाधनों के बावजूद रामानुजन ने अपनी असाधारण प्रतिभा के बल पर भारत का नाम विश्व स्तर पर गौरवान्वित किया। उन्होंने छात्राओं को गणित के प्रति भय त्यागकर उसमें रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने अपने संबोधन में कहा कि रामानुजन जैसे महान व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने छात्राओं से ऐसे महान गणितज्ञों के जीवन से प्रेरणा लेकर अध्ययन में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को रामानुजन के जीवन पर आधारित एक शॉर्ट फि ल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में नवीन देवड़ा, कोमल गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, सुनीता कुमारी, हर्षिता शर्मा सहित महाविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।